KJ-1415

M.A. (Previous)
Term End Examination, 2020

HINDI LITERATURE

Paper - V

जनपदीय भाषा और साहित्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100
[*Minimum Pass Marks* : 36

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अस्वच्छता एवं अशुद्धियों पर अंक काटे जाएंगे। एक प्रश्न का उत्तर एक ही स्थान पर लगातार हल करें। उत्तर की समाप्ति पर समाप्ति सूचक चिन्ह का प्रयोग अवश्य करें।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 30

(क) चल मोर भैया बियासी के नांगर
अरे कैसे मंजा के बियासी के नांगर

(2)

बिजली लफालफ चमकत है।

इंदर देवता तमकत है

जुड़-जुड़ लोहत हवे पुरवाही।

दिखत हे लच्छन पानी आही।

घपटे दे, उत्ती डाहर करिया त्वादर,

चल मोर भैया बियासी के नांगर।

अथवा

हमर कतका सुन्दर गांव

जइसे लक्ष्मी जी के पांव।

घर उज्जर लीपे पोते

जेला देख हवेली रोथे।

सुघ्घर चिकनाये भुंइया

चाहे भात पउस ला गुइंया।

अंगना मां तुलसी चौरा

कोडा मां बइला राउवा।

लकड़ा मां कोला बारी

ये हर अनपूरना के ठांव।

(ख) का धरे हे ये जिंदगानी म, पानी के फोटका तो आय। जे दिन जियत हन हांस गोठिया लिही। धोरमुही रिहके तोबरा फुलोये हो। का मिल जाही? सुकबारा के खिराबिजी दांत हर हांसत खानी चमकत कस लागय, जइसे करिया लुगरा में तोपाय, कड़ी वाला करधन के एक लर हर दिखिस हे।

अथवा

हे भगवान ईमानदारी के जमाना नइ रहिगे। बड़े बाबू चाहते कि मैं हर गरीब किसान मन ला तंग करके रूपया ऐठों अउ मालिक बांटा उन ल ढंप, अउर सऊँज बांट में लंव। थोरके के कायदा कानून बधोर ले बिचारा मन डरी जाथे। बोकर से रूपया, खिइचना कोनो मुसकिल बात नोहय, लेकिन भोलाा वो गरीब किसान भाई मन से जेकर अच्छा ढके खातिर बने कपड़ो नई रहय। वोकर मन से में भला कइसे एक पैसा लंव। बड़े बाबू मोला रोज डांटथे, उल्लू जानवर नालायक घलो कहि देथे।

(ग) कतेक भेद हे समाज म। एक जात अउ दूसर जात के बात दूरिह रहिये। कुर्मी में भेद हे रे भाई। कहाँ जाही हमार देश ह। जात पात ल कोन तोरही। नई टोरहू तो देश टूट जाही। उही कारन बन तो गे पाकिस्थान। अउ हमी हम मार डारेन गाँधी बाबा ला। सरीर के मौत ह मौत नो हय। सरीर तो माध्यम ये। असल चीज हे विचार। विचार तो तभे मरगे बापू के जब देश के दू कूटा होंगे।

अथवा

''रमिया बदलगे। ओ हर दिन-रात बारी बखरी में काम करे लगिस। रूख-राही दिखय परनाम करय। धीरे-धीरे ओखर सुभाव बदलत गिस। जब केतकी ह अपन बेटा ल लेके 'पिपरदेव' में अपन अंचरा के धागा चढ़ाय बर गिस, तभे रमिया घलो ह अपन गोसइंया संग उहां गिस। पिपर रूख के चारो डहार ल बहारिस, गोबर मं लिपिस। जड़ में जल चढ़ा, चारो ओर बहारत अउ परनाम करत-करत केतकी सही बरदान मांगिस।''

2. 'गोरसी के गोठ' का कथानक प्रस्तुत करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'''सुआ हमर संगवारी' एक परिचयात्मक लेख है।'' कथन पर प्रकाश डालिए।

3. एकांकी के तत्वों के आधार पर 'परेमा' एकांकी की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

'सउत के डर' एकांकी के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है? स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20

(क) लखन लाल गुप्त का साहित्यिक परिचय।

(ख) शुकलाल पाण्डेय के काव्य में ग्राम्यानुभूति।

(ग) छत्तीसगढ़ी साहित्य की वीरगाथाएँ।

(घ) छत्तीसगढ़ में प्रचलित एक लोककथा का सार।

(ङ) कोई पांच छत्तीसगढ़ी मुहावरा और अर्थ।

(च) पण्डवानी की विशेषताएँ।

(छ) दानेश्वर शर्मा का जीवन परिचय।

(ज) छत्तीसगढ़ी साहित्य में पं० सुन्दरलाल शर्मा का महत्व।

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20

(क) 'आवा' उपन्यास के नायक का नाम लिखिए।

(ख) 'फोकट' शब्द का हिन्दी रूप लिखिए।

(ग) 'नून-तेल' में कौन-सा समास है ?

(घ) 'मैं जाथों' का बहुवचन क्या होगा ?

(ङ) संत धर्मदास के गुरु का नाम बताइए।

(च) 'बधवा' शब्द का स्त्रीलिंग बताइए।

(छ) छत्तीसगढ़ी व्याकरण की रचना सर्वप्रथम किसने की ?

(ज) मेघदूत का छत्तीसगढ़ी अनुवाद किसने किया।

(झ) 'खूब तमासा' के लेखक का नाम क्या है ?

(ञ) 'फूलबासन' में किसकी कथा है ?

(ट) 'भरथरी' गायन की प्रसिद्ध गायिका कौन हैं ?

(ठ) 'राम-बनवास' किसकी कृति है ?

(ड) प्रथम छत्तीसगढ़ी एकांकी कलिकाल के लेखक कौन हैं ?

(ढ) छत्तीसगढ़ी शब्द 'उपास' का अर्थ लिखिए।

(ण) 'कोकड़ा' शब्द का स्त्रीलिंग रूप लिखिए।

(त) 'नाचा' क्या है ?

(थ) छत्तीसगढ़ी गजल साहित्य के प्रसिद्ध रचनाकार कौन हैं ?

(द) दो छत्तीसगढ़ी पत्रिका के नाम लिखिए।

(ध) छत्तीसगढ़ी के किसी महिला साहित्यकार और उनके साहित्य का नाम बताइए।

(न) 'गाय न गरू, सुख होथ हरू' के लेखक कौन हैं ?

———